प्रबन्ध शास्त्र संकाय

हम सभी उस संसार में रह रहे है, जिसमें प्रबन्धकीय शिक्षा का महत्व बढ़ता जा रहा है। इस शिक्षा से नवयुवकों में अपने स्वप्न पूरे करने हेतु नया उत्साह मिलता है। संस्थानों को भी अपने भविष्य की योजनाओं को आगे बढ़ाने हेतु प्रबन्धकीय ज्ञान अर्जित प्रोफेशनल्स की आवश्यकता होती है।

वर्तमान परिदृश्य में, हम समझतें है कि प्रबन्धकीय संस्थानों के समक्ष उत्तरदायित्व तथा चुनौतियॉं देश में एक अग्रणी प्रबन्ध संस्थान होने के नाते विशेषतया बहुत अधिक है।

दृष्टिक्षेत्र

संकाय पूरे विश्व पटल पर उत्कृष्टता का एक प्रमुख केन्द्र बनने की आकांक्षा रखता है, जिसमें समाज के प्रति समर्पित प्रबन्धकों का निर्माण किया जा सके।

उद्देश्य

संकाय का उद्देश्य व्यापार, उद्योग व अन्य उपयोगी वर्गो को गुणवत्ता युक्त शिक्षा, शोध एवं सलाह तथा अन्य व्यावसायिक सेवाएँ प्रदान करना है।

लक्ष्य

- प्रबन्धन के क्षेत्र में कॅरियर के इच्छूक युवा प्रतिभाओं को आवश्यकता आधारित शिक्षा प्रदान करना।
- प्रबन्धन के क्षेत्र को अनुप्रयोगात्मक एवं अवधारणात्मक दोनों ही शोध के तरीकों से समृद्ध बनाना एवं गुणवत्ता युक्त प्रकाशन।
- एमडीपी के द्वारा कार्यरत प्रबन्धकों की प्रशासनिक योग्यता एवं निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा देना एवं कॉंसल्टेन्सि सेवाओं के द्वारा उनकी समस्याओं का समाधान करना।
- विभिन्न प्रबन्धन संस्थानों के शिक्षकों के ज्ञान और कुशलता को क्वालिटी इम्प्रूवमेन्ट कार्यक्रमों के द्वारा बढ़ावा देना।
- प्रबन्धन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कॉरपोरेट जगत एवं विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थाओं के बीच सहयोग करना और दोनो के बीच की दूरी को कम करने का प्रयास करना।

कॉर्पोरेट जगत के साथ सहयोग

- इलाहाबाद बैंक चेयर
- पीवीवीएनएल के सी एवं डी कर्मचारियों और फ्रेन्चाइज़ी के लिये राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिये प्रशिक्षण संस्थान के तौर पर सूचीबद्ध किया गया (ग्रामीण विद्युतीकरण निगम, मिनिस्ट्री ऑफ पॉवर के साथ सहयोग)।
- प्रबन्ध एवं बीमा में एक वर्षीय पीज़ी. डिप्लोमा को संचालित करने के लिए आईसीआईसीआई प्रूलाइफ के साथ सहायोग।
- तकनीकी संस्थाओं के विद्यार्थियों के मध्य उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये डीएसटी, मानव संसाधन मंत्रालय के एनआईएमएटी परियोजना के अन्तर्गत फैकल्टी डवलपमेन्ट कार्यक्रम आयोजित करना।
- विभिन्न संगठनों जैसे एनटीपीसी, यूपीआरवीयूएनएल (अनपरा थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट), विंध्याचल सूपर थर्मल पॉवर स्टेशन, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, भारतीय डाक विभाग इत्यादि के लिये इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम/ एमडीपी आयोजित करना।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन, स्वास्थ्य कर्मियों के लिये फैलोशिप कार्यक्रम एवं यूएनडीपी के लिये कन्सलटेंसी प्रोजेक्ट आयोजित करना।
- नेशनल स्टाल एक्सचेंज के सहयोग से स्टॉक एक्सचेंजों की कार्यप्रणाली पर सर्टीफाइड प्रोग्राम की शुरुआत अपने अन्तिम चरण में है।
- संकाय को केपासिटी बिल्डींग के लिए पार्टनर ट्रेनिग संस्थान के तौर पर विभिन्न पब्लिक सेकटर संगठनों जैसे पॉवर फाइनेन्स कॉर्पोरेशन के साथ सूचीबद्ध करना।
- लघु एवं मध्यम उपक्रमों के मंत्रालय के अन्तर्गत बिज़नेस इन्क्यूबेशन सेन्टर (वार्ता अन्तिम चरण में)।

अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाओं के साथ सहयोग

उच्चशिक्षा के विश्वविख्यात संस्थानों के साथ संकाय दृढ़तापूर्वक अन्तर्राष्ट्रीय अकादमिक सम्पर्क को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है।

हाल ही में विभिन्न देशों के विख्यात संस्थानों के शीर्ष शिक्षाविदों ने संकाय को विज़िट किया। और, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित संस्थानों के साथ एमओयू हस्ताक्षर किये।

- इथियोपियन सिविल सर्विसेज़ कॉलेज, इथियोपिया
- विल्कस् विश्वविद्यालय, पेन्सिलवानियाँ, यूएसए
- स्कूल ऑफ बिज़नेस, क्लेफ्लिन विश्वविद्यालय, यूएसए (अभी हस्ताक्षर किया जाना है)
- लॉसिज़ विश्वविद्यालय,जर्मनी (अभी हस्ताक्षर किया जाना है)

मान्यता

- क्वालिटी इम्प्रूवमेन्ट कार्यक्रम के तौर पर चिन्हित किया जाना।
- सीखने के प्रति गहन प्रतिबद्धता और विशेषज्ञता को ध्यान में रख कर एआईसीटीई द्वारा वर्ष २००१ के लिये देश में प्रबन्धन संस्थानों के शिक्षकों के विकास और अद्यतन हेतु संकाय को एक क्वालिटी इम्प्रूवमेन्ट केन्द्र के तौर पर चिन्हित किया गया। इस योजना के अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर तब से संकाय में लगभग ३० अंशकालिक (छः दिवसीय) कार्यक्रम आयोजित कराये हैं।
- प्रबन्धन में राष्ट्रीय डॉक्टोरल फैलोशिप के लिए मेजबान संस्थान के तौर पर चिन्हित किया जाना।
- डीआरएस-१ सैप (यूजीसी)
- इन्टरप्रेन्योरशिप डवलपमेन्ट सेल, (एआईसीटीई)
- इन्डस्ट्री इन्स्टीट्यूट पार्टनरशीप सेल, (एआईसीटीई)